ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक-7 जुलाई-I-2018 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

सेंट पीटर्सबर्ग की 315वीं वर्षगांठ पर दादी का भव्य स्वागत और सम्मान

रशिया-सेंट पीटर्सबर्ग। सेंट पीटर्सबर्ग की तीन सौ पंद्रहवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रशिया के बारह शहरों के साथ-साथ बेलारूस, फिनलैंड, अरमेनिया तथा अज़रबैजान के एडमिनिस्ट्रेशन, सोशल सर्विस, मेडिसिन तथा एज्युकेशन से जुड़े दो सौ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दादी का सम्मान किया गया।

दादी का सम्मान करने के पश्चात् उनके साथ ब्र.कु. संतोष, दीपक मिगलानी, प्रो. व्लादिमिर हैविन्सन व शहर के गणमान्य लोग।

मानव में शांति और स्वमान का बीज बोती है ये संस्था

दीपक मिगलानी,काउंसिल जनरल ऑफ इंडिया इन सेंट पीटर्सबर्ग ने कहा कि आज दादी जी की हमारे बीच उपस्थिति हमें गर्व की अनुभूति करा रही है। दादी का यहाँ आना इस खूबसूरत शहर की सांस्कृतिक विविधता में एक नया आयाम जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि ये एक बहुत ही संतुष्टता का विषय है कि भारत से बहुत दूर होते हुए भी ये आध्यात्मिकता ही है जो इन दो महान राष्ट्रों को एक साथ लाने का कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारी संस्था समस्त विश्व में फैली एक ऐसी आध्यात्मिक संस्था है, जो स्व-परिवर्तन और विश्व के नवनिर्माण हेतु समर्पित है। ये संस्था हर मनुष्य में गहरी शांति की अनुभूति की समझ और स्वमान के बीज बोने का कार्य कर रही है।

ये हम भारत वासियों के लिए बड़े ही गौरव की बात है कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व की ऐसी सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था है जिसका संचालन महिलाओं द्वारा होता है। इस संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने 80 वर्ष पूर्व इस संस्था की नींव रखी और महिलाओं को आगे रखा। यही बात इसे विश्व की अन्य धार्मिक, आध्यात्मिक संस्थाओं से अलग करती है। 80 वर्षों से इस नेतृत्व में साहस, क्षमा करने की असीम क्षमता और एकता के लिए गहरी प्रतिबद्धता की विशेषता रही है।

साझेदारी एवं आम सहमति के साथ सम्मान, समानता और विनम्रता पर आधारित नेतृत्व के कारण आज ये संस्था सम्पूर्णता और सद्भावना के क्षेत्र में एक मिसाल बन चुकी है।

एलेक्ज़ेंडर रज़ानेकोव, चेयरपर्सन,द कमेटी फॉर सोशल पॉलिसी,सेंट पीटर्सबर्ग ने प्रशंसा पत्र द्वारा कमेटी की ओर से दादी जी के नि:स्वार्थ सामाजिक, आध्यात्मिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दादी ने एक आध्यात्मिक प्रणेता के रूप में सभी वर्ग के लोगों का बौद्धिक विकास किया। दादी ने अपनी बुद्धिमता से प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े लोगों की, चाहे वो आम आदमी हो या देश का मुखिया अथवा धार्मिक नेता, सबके हृदय में अपनी जगह बनाई। दादी की प्रेरणा से सबको ये विश्वास हो जाता है कि कोई भी कार्य किसी के लिए असंभव नहीं है।

एलेक्ज़ेंडर करबाटोव,डेप्युटी हेड,एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ वेबोर्सकी,सेंट पीटर्सबर्ग ने दादी जी का हृदय से स्वागत किया और दिल से ये शुभकामना भी व्यक्त की कि आने वाले सालों साल तक दादी जी सभी में शांति, सुख, बुद्धिमता, प्रेम आदि गुणों का संचार करती रहें।

बोरिस लिवचेन्को,मेम्बर,सेंट पीटर्सबर्ग लेजिस्लेटिव एसेम्बली तथा चेयरपर्सन ऑफ द यूनियन ऑफ पेंशनर्स ऑफ रशिया ने स्वयं तथा लेजिस्लेटिव एसेम्बली के सभी सदस्यों की ओर से दादी का अभिवादन करते हुए कहा कि मैं आपकी दया भावना, आपकी नेकी और आत्मिक शक्ति के लिए आपका हृदय से आभार और प्रशंसा करना चाहता हूँ। सारा विश्व आपके सामने नतमस्तक होता है, और हमारा ये सौभाग्य है कि आप इस शहर में आये हैं। दादी जी, आप कहते हैं कि आप कुछ नहीं करते, ये भगवान की महानता है। तो ठीक है, फिर आप दोनों इस ज्ञान के प्रकाश को सारे विश्व में फैलाते रहना, यही मेरी शुभ कामना है।

एनाटोली कॉन्टेटिनोव, चेयरपर्सन,द रशियन यूनियन ऑफ पीपल ऑफ आर्ट्स ने कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में दादी जी के महत्वपूर्ण योगदानों हेतु उन्हें मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति निरहंकारी है और नि:स्वार्थ भाव से सेवा करे तो वो व्यक्ति कितना प्रतिभाशाली और विशिष्ट है। दादी का व्यक्तित्व बहुत ही महान है, इसलिए आप हर रूप से आज इस सम्मान की हकदार हैं।

प्रो. व्लादिमिर एग्युएवेट्स, प्रेसीडेंट,द नेशनल स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ फिज़िकल कल्चर,स्पोर्ट्स एंड हेल्थ ने कहा कि आज विश्व आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास का सामना कर रहा है। ऐसे हालात में ब्रह्माकुमारीज़ आज एक ऐसे वातावरण के निर्माण की बात कर रहा है जहाँ हरेक मानव आध्यात्मिक एवं नैतिक रूप से सशक्त बनेगा और जीवन की चुनौतियों का दृढ़ता पूर्ण सामना कर सकेगा।

इस अवसर पर ब्र.कु. संतोष, डायरेक्टर,ब्रह्माकुमारीज़ इन सेंट पीटर्सबर्ग ने कहा कि दादी जी के आने पर खुशी का माहौल बन सा गया है। हो भी क्यों ना! वे जीवन भर सिम्पल और सेम्पल बनकर सारे विश्व में आध्यात्मिकता की खुशबू फैलाते रहे हैं। ऐसे फरिश्ते भगवान को पसंद भी हैं और उनके प्यार के पात्र भी हैं। दादी ने हमेशा खुद को ट्रस्टी के रूप में अनुभव किया, और जब आप खुद को भुलाकर परमात्मा को स्वयं द्वारा कार्य करने के लिए अनुमति देते हैं, तभी चमत्कार होते हैं। आज स्वयं को इस रूप में परमात्मा को समर्पित करने की बुद्धिमता का दादी एक उत्तम एवं सुंदर उदाहरण हैं।

दादी ने बताये सफलता के पाँच सूत्र

समरसता वहाँ हो सकती है जहाँ नम्रता, सत्यता, धैर्यता, मधुरता और परिपक्वता, ये पाँच चीज़ें हों। सदा याद रखें कि खुशी जैसी खुराक नहीं और चिंता जैसा मर्ज नहीं, यही जीवन में सफलता की 'डायमण्ड की' है। कार्यक्रम में दादी के सम्मान में सभी अतिथिगणों ने दादी के साथ केक काटा तथा दादी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से लाभान्वित किया।

सम्पूर्णता की प्रतीक दादी

प्रो. व्लादिमिर हैविन्सन, वाइस प्रेसीडेंट,द यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी एंड जेरियेट्रिक्स ने कहा कि दादी जी सर्वोच्च शक्ति, सम्पूर्णता एवं सद्भावना की प्रतीक हैं। दादी जी ने वास्तव में एक ऐसे देश का निर्माण किया है जिसकी कोई सीमा नहीं है। जिस देश का प्रमुख गुण खुशी, प्रेम और शांति है।

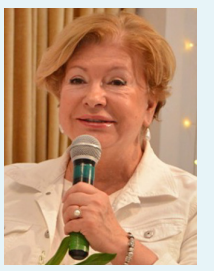

एलेना कालिनीना,रेक्टर, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट सोशल एंड इकोनॉमिक इंस्टीट्यूट एंड प्रेसीडेंट ऑफ सेंट पीटर्सबर्ग वुमेन अलायंस ने कहा कि हमारी संस्था 45 महिला संस्थाओं का संयुक्त रूप है। हमें इस बात की बेहद खुशी है कि ब्रह्माकुमारी संस्था भी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का कार्य बखूबी कर रही है।